मिशन शिक्षण संवाद

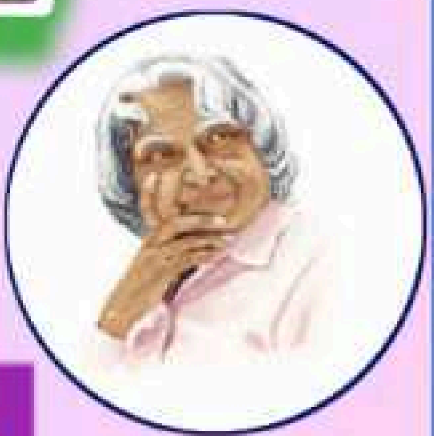

शैक्षिक गीतों का संकलन

काव्य मंजरी

बाल दिवस विशेषांक

संकलन:- काव्य मंजरी टीम

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

बाल दिवस विशेषांक

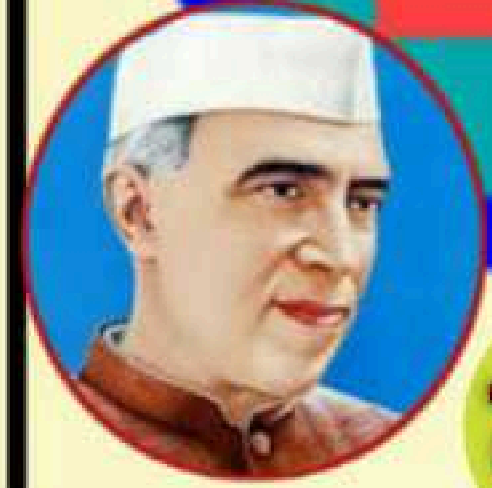

01

बाल दिवस

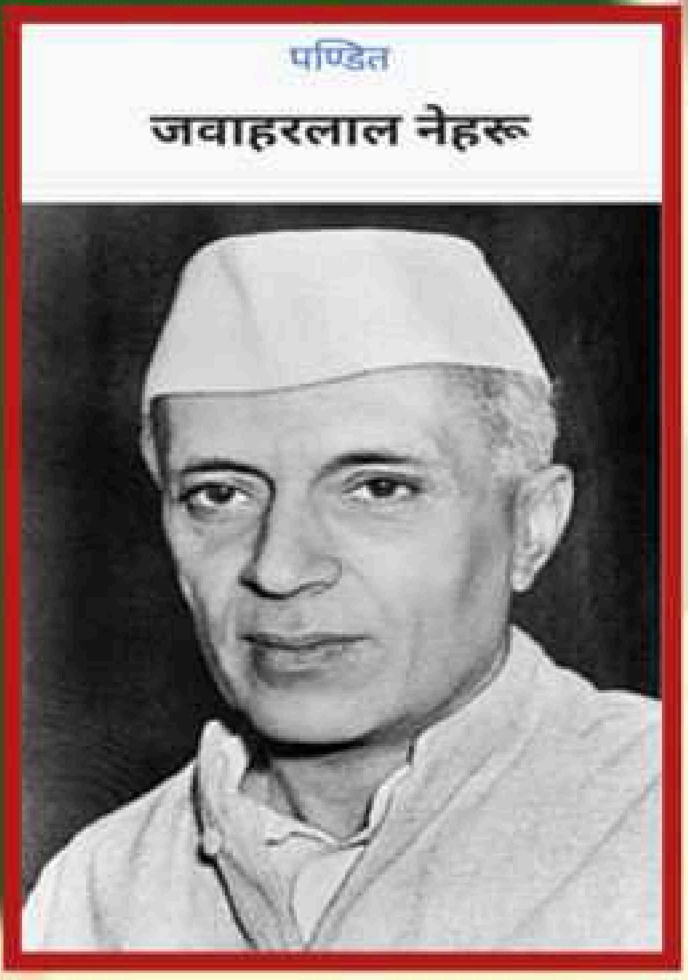

सब बच्चों के प्यारे चाचा,
सारे जग से न्यारे चाचा।
बाल दिवस है शुभ दिन आया,
इस दिन जन्मे नेहरू चाचा।।

सन् अट्ठारह सौ नवासी,
जन्मे चाचा नेहरू जी।
भारत के थे पहले प्रधानमंत्री,
अपने चाचा नेहरू जी।।

इन्दिरा गांधी इकलौती,
पुत्री इनकी प्रिय बड़ी महान।
उन्नीस सौ पचपन में भारत रत्न,
पुरस्कार पाकर बढ़ा सम्मान।।

हर बच्चे को नेहरू चाचा,
करते थे स्नेह और दुलार।
इसीलिए जन्मोत्सव उनका,
मनाते "बाल दिवस" हर बार।।

रचना
शिखा वर्मा (इं०प्र०अ०)
पू०मा० वि० स्योढ़ा,
बिसवाँ, सीतापुर

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

बाल दिवस विशेषांक

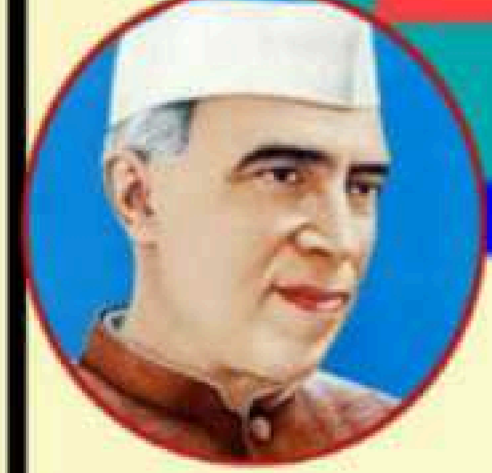

02

नेहरु चाचा जी

तर्ज- लम्बू जी-लम्बू जी, बोलो टिंगू जी

चाचा जी-चाचा जी, नेहरु चाचा जी !
बाल दिवस पर आपका, जन्मदिन मनाते।
सारे ही बच्चे हँसते, गाते मुस्कुराते।।

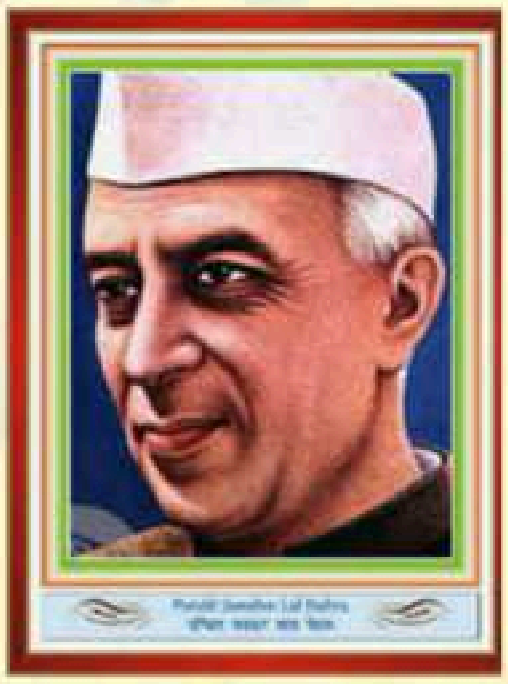

14 नवम्बर जब भी आता,
बच्चे-बच्चे का दिल गाता।
नए-नए उपहार पाकर के,
बच्चों का मन खुश हो जाता।।
प्रफुल्लित बच्चे हँसके,
तालियाँ बजाते।
चाचा जी-चाचा जी,
नेहरु चाचा जी !

कोई बच्चा कविता सुनाए,
कोई बालक गाना गाए।
कोई क्रिकेट के मैदान में,
चौके और छक्के लगाए।।
खेलों के जरिए बच्चे,
दिल को बहलाते।
चाचा जी-चाचा जी,
नेहरु चाचा जी!

रचना-
श्रीमती पूनम गुप्ता
(स०अ०) प्रा० वि० धनीपुर,
धनीपुर, जनपद अलीगढ़

बाल दिवस विशेषांक

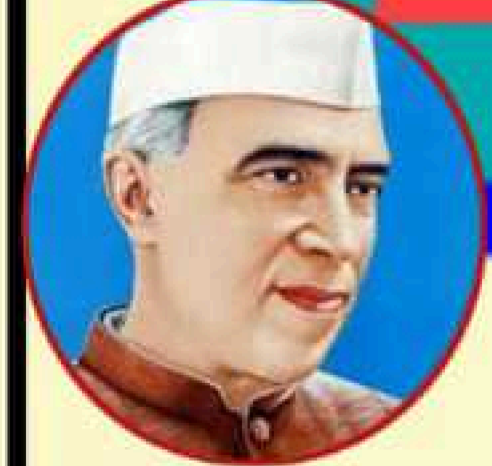

बाल दिवस मनाएँ

03

आया है फिर से माह नवम्बर,
चाचा नेहरू का जन्मदिन लेकर।
नन्हे-नन्हे फूल से सभी बच्चे,
मनाते हैं यह दिन खुश होकर।।

नेहरू जी का था ऐसा कहना,
बच्चे पूरा करेंगे हर एक सपना।
बच्चे होते हैं देश के भावी निर्माता,
बढें इनकी गुणवत्ता और क्षमता।।

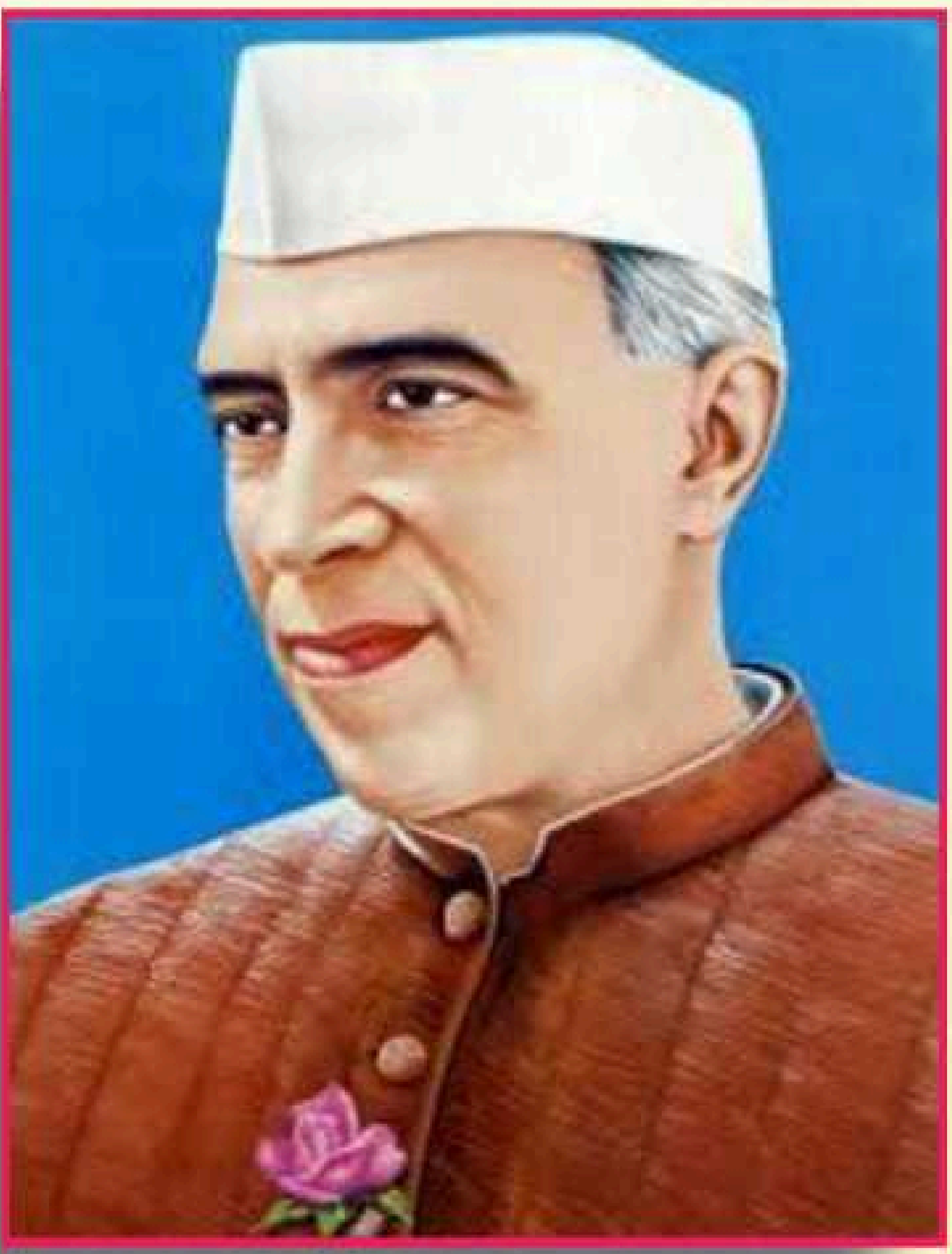

वर्ष 1959 से बना 14 नवम्बर बाल दिवस,
बच्चों मे ही नहीं बडों मे भी इसका हर्ष।
हर बच्चे को मिले शिक्षा और पोषण,
तभी हो पाएगा सबका जीवन उत्कर्ष।।

बाल दिवस सभी स्कूलों मे मनाया जाता है,
बाल मेला, निबन्ध, खेल आयोजन किया जाता है।
हर बच्चे को मिले बेहतर शिक्षा और स्वास्थ्य,
बच्चों से ही देश का भविष्य उज्ज्वल होता है।।

रचना
ज्योति सागर (स०अ०)
उ० प्रा० वि० सिसाना
बागपत, बागपत

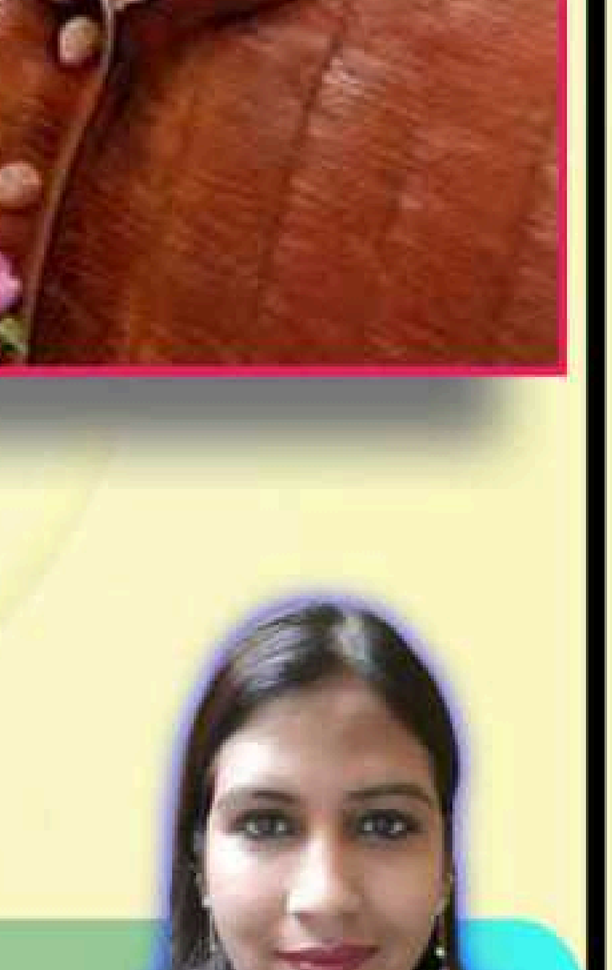

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

बाल दिवस विशेषांक

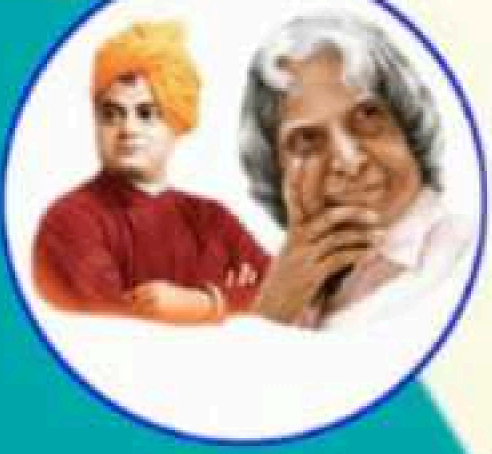

04

प्यारे चाचा

बच्चों के थे प्यारे चाचा,
हरदम थे मुस्काते चाचा।
भारत के पहले प्रधानमंत्री,
अचकन में फूल लगाते चाचा।।

14 नवम्बर जन्मदिन है,
प्यारे चाचा नेहरू जी का।
बच्चों को था बहुत ही प्यारा,
बाल दिवस के रुप में मनता।।

चाचा जी का था ये कहना,
बच्चे होते सबसे अच्छे।
ना ही छल और ना ही कपट,
बच्चे होते दिल के सच्चे।।

बच्चे थे चाचा को प्यारे,
चाचा थे बच्चों को प्यारे।
इसीलिए जन्मदिन उनका,
बाल दिवस मनाते सारे।।

रचना
हेमलता गुप्ता (स० अ०)
प्रा० वि० मुकन्दपुर
लोधा, अलीगढ़

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

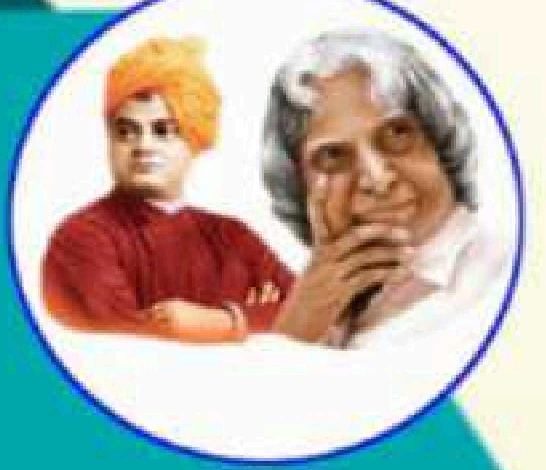

बाल दिवस विशेषांक

14 नवम्बर- बाल दिवस

05

तर्ज- मैने जिसको दिल ये दिया है

मन बच्चे का साफ सुथरा,
इसके जैसे ना कोई दूसरा।।
मन का सच्चा मन का सच्चा......

नन्हे मुन्ने बालक, जीते हैं आज में।
हर काम करते अभी, टाले नहीं बाद में।।2।।
भगवान का देखो, धरती पे रुप है।
खेलते हैं छांव में, और कहीं धूप है।।2।।
मासूम है हर एक बच्चा,
काम हरदम करता सच्चा।।

एक बच्चा घर का, बदलता माहौल है।
कोई बच्चा छोटा है, देखो कोई टॉल है।।2।।
शैतानी उसकी, कितनी प्यारी है।
मुस्कान उसकी, सबसे ही न्यारी है।।2।।
मम्मी का वो है दुलारा,
पापा की आँखों का तारा।।

रचना-
सुधांशु श्रीवास्तव (स०अ०)
प्रा० वि० मणिपुर
ऐरायां, फतेहपुर

शिक्षा का उत्थान मिशन शिक्षण संवाद शिक्षक का सम्मान

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

बाल दिवस विशेषांक

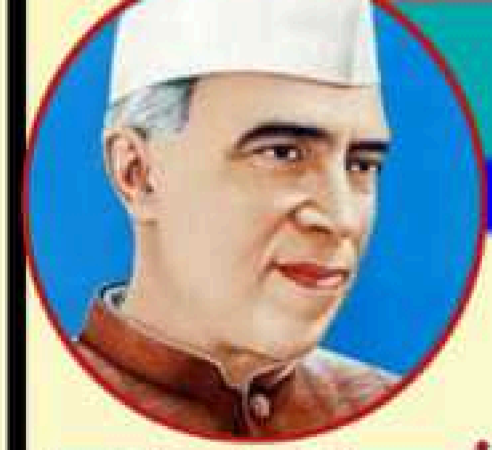

06

चाचा नेहरू

प्रथम प्रधानमंत्री भारत के,
प्यारे चाचा सब बच्चों के।
खुश रहते संग बच्चों के,
गुलाब का फूल पसन्द करते।।

लिया जन्म 14 नवम्बर 1889 को,
धन्य किया स्थान इलाहाबाद को।
नाम पिता का मोतीलाल नेहरू,
नाम माता का स्वरूपरानी नेहरू।।

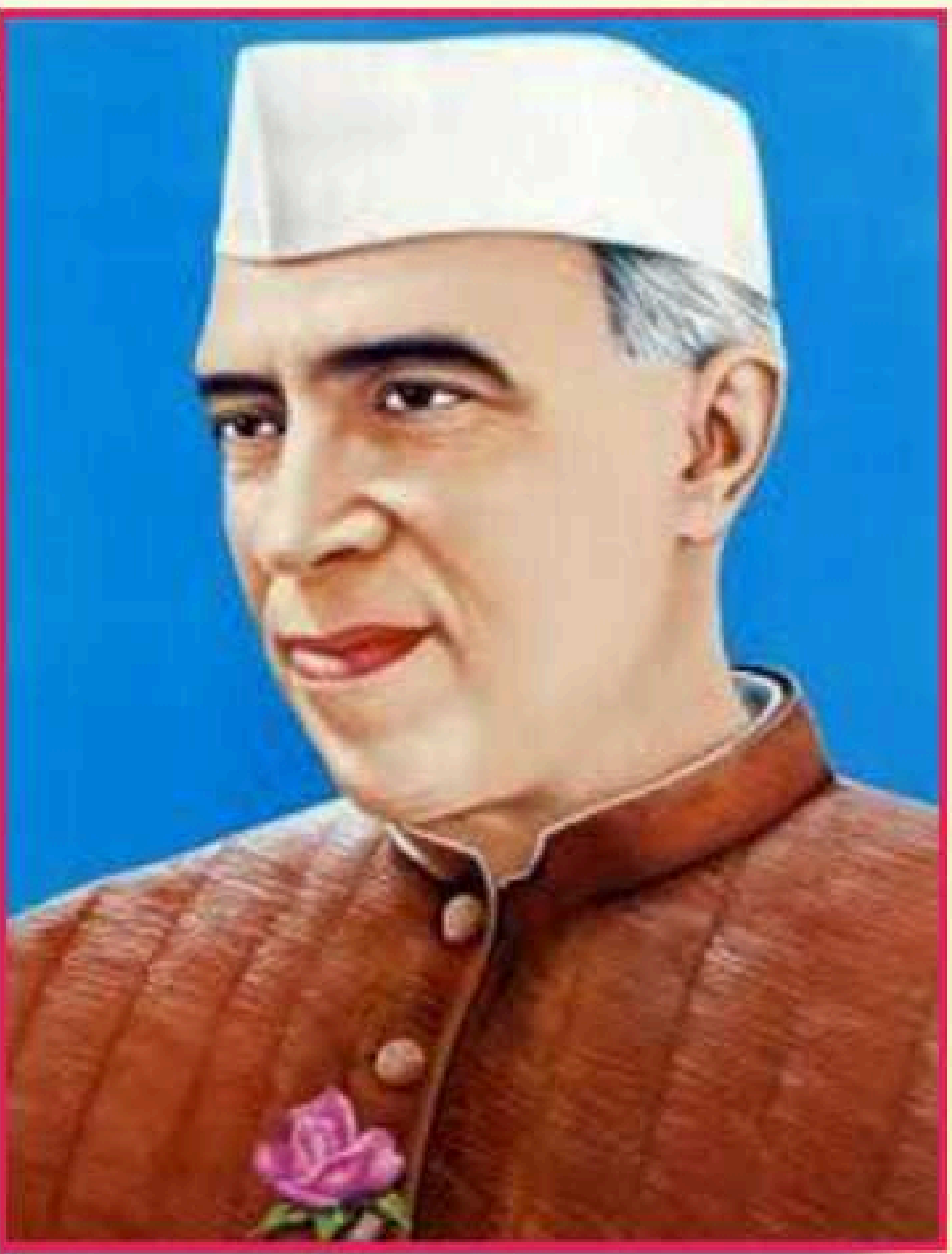

ली शिक्षा कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय से,
लौटे नेहरू जी भारत 1912 में।
राजनीतिक सफर शुरु किया 1919 में,
सम्पर्क हुआ तब महात्मा गांधी जी से।।

पूर्ण स्वराज्य की माँग उठायी 1930 को,
अपनाया गांधी जी के आदर्शों को।
प्रतिवर्ष मनाते नेहरू जी का जन्म दिवस,
14 नवम्बर को खुशी से कहते बाल दिवस।।

रचना
प्रतिमा उमराव (स०अ०)
कम्पोजिट विद्यालय अमौली
अमौली, फतेहपुर

शिक्षा का उत्थान

शिक्षक का सम्मान

मिशन शिक्षण संवाद

बाल दिवस विशेषांक

14 नवम्बर- बाल दिवस

07

बच्चे भगवान का वरदान हैं,
घर-परिवार की शान हैं।
होता इनसे रोशन जहान है,
देश का ये गौरव अभिमान हैं।

इनका मन होता है सच्चा,
काम करते हैं सदा अच्छा।
कितना सुंदर लगता है,
मुस्काता हर एक बच्चा।।

बाल दिवस हम चौदह,
नवम्बर को हैं मनाते ।
चाचा नेहरु की जयंती,
उनके सपने को सजाते।।

मन में होता न कोई कपट,
करते हैं खेल में छीन-झपट।
शैतानी इनकी सबसे निराली है,
बच्चों से ही घर की खुशहाली है।।

रचना-
आकांक्षा मिश्रा (स०अ०)
प्राथमिक विद्यालय सिकन्दरपुर
सुरसा, हरदोई

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

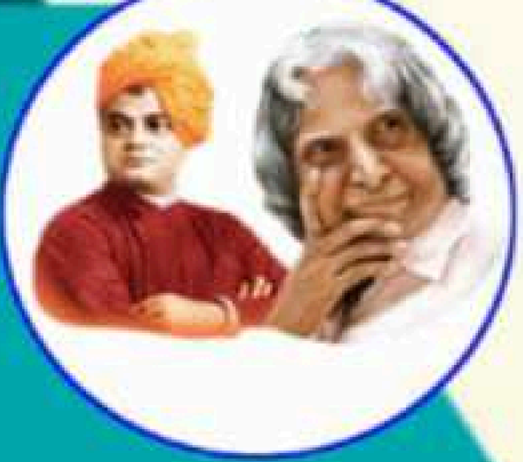

बाल दिवस विशेषांक

08

बाल दिवस

बचपन है ऐसा खजाना,
जो आता नहीं दोबारा।
मुश्किल है इसे भूल पाना,
वो खेलना, कूदना और मस्ती करना।।

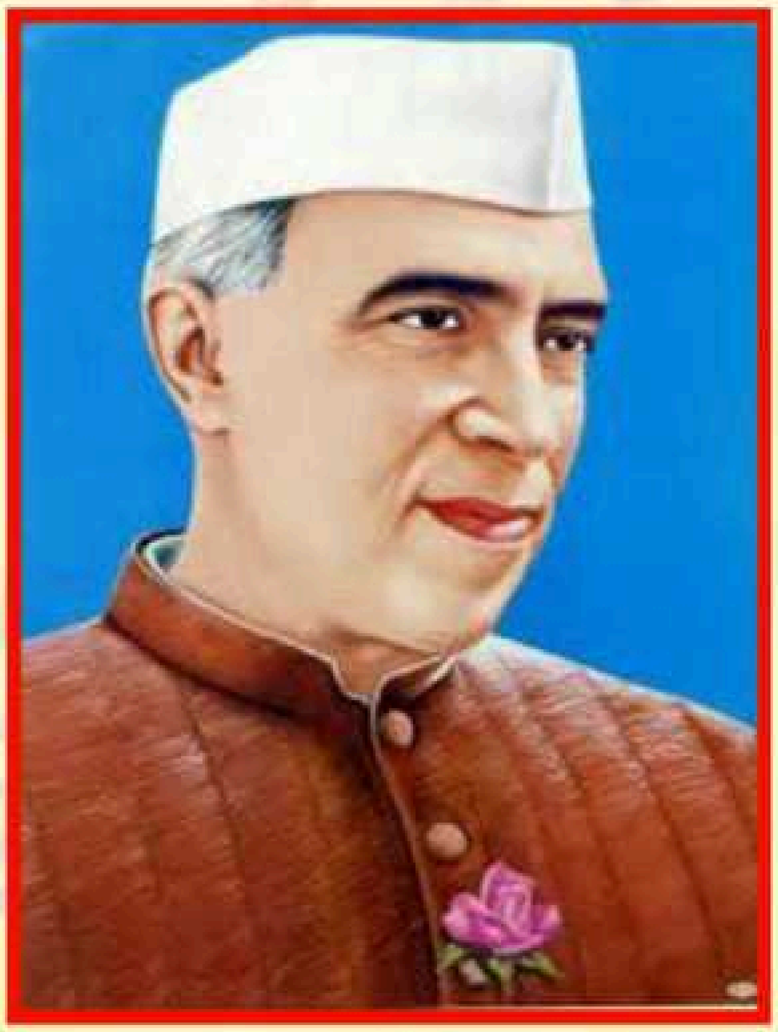

नन्हें-मुन्नों के जीवन में,
उल्लास लाता बाल दिवस।
प्यारे चाचा नेहरू जी की,
याद दिलाता बाल दिवस।।

बाल दिवस पर हम सब मिल,
अपार खुशियाँ मनाते हैं।
चाचा नेहरू को याद कर,
उनकी गाथा सब मिल गाते हैं।।

चाचा नेहरू के जन्म दिवस पर,
हम सब मिल बाल दिवस मनाते हैं।
आशीर्वाद पाकर अपने बड़ो का,
प्रफुल्लित सब हो जाते हैं।।

रचना-
देवेश्वरी सेमवाल (स०अ०)
रा० उ० प्रा० वि० कान्दी
ब्लॉक- अगस्त्यमुनि (रुद्रप्रयाग),
उत्तराखण्ड

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

बाल दिवस विशेषांक

बाल दिवस

09

14 नवम्बर 1889 को इलाहाबाद में,
जवाहर लाल नेहरू ने जन्म लिया।
भारत के प्रथम प्रधानमंत्री के,
रूप में नेहरू जी काम किया।।

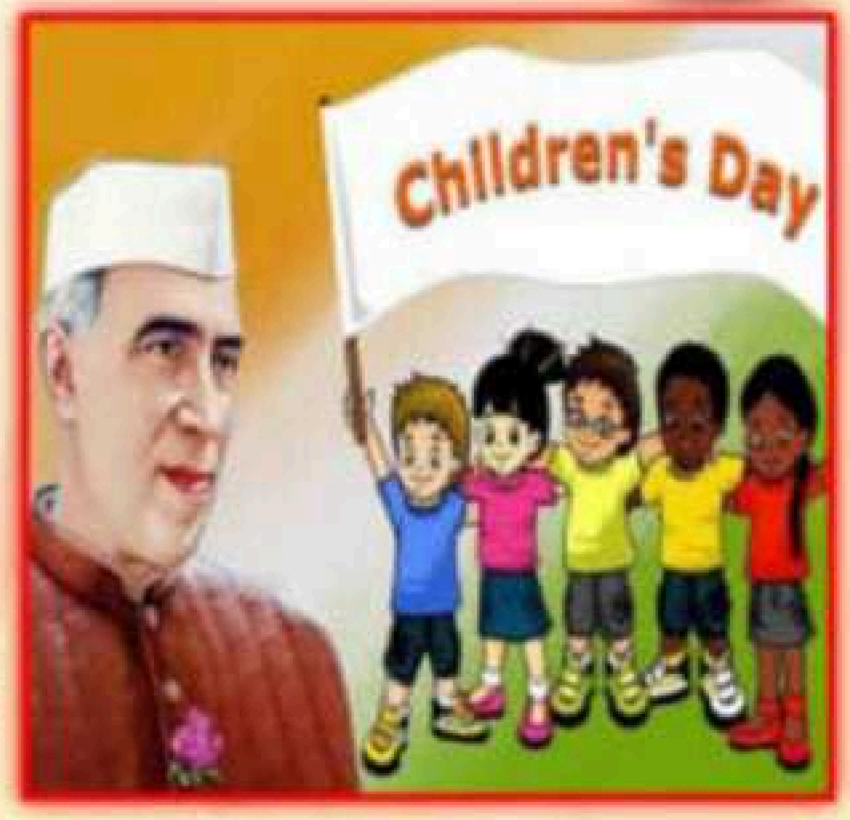

नेहरू जी को बच्चे बहुत ही भाते थे,
बच्चे चाचा कहकर इन्हें बुलाते थे।
अपने जन्मदिन को बच्चों को समर्पित किया,
14 नवम्बर को बाल दिवस का नाम दिया।।

जवाहर लाल नेहरु जी,
एक बार घूमने गए जापान।
बच्चों ने बोला न देखा हमने हांथी,
बच्चों के चाचा जी ने हांथी भेजा तुरन्त जापान।।

जवाहर लाल नेहरु जी,
एक बार घूमने गए जापान।
बच्चों ने बोला न देखा हमने हांथी,
बच्चों के चाचा जी ने हांथी भेजा तुरन्त जापान।।

रचना- शहनाज़ बानो (स० अ०)
पू० मा० वि० भौंरी-1
मानिकपुर, चित्रकूट

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

बाल दिवस विशेषांक

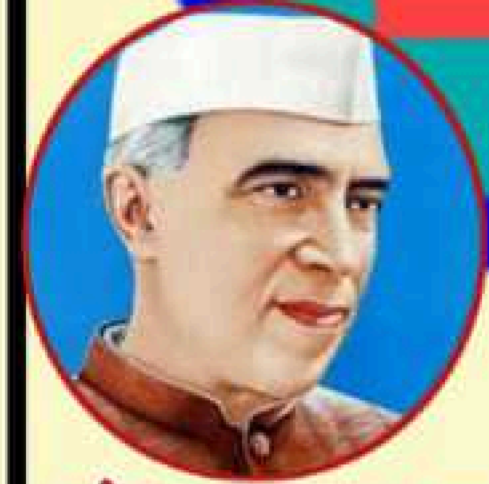

बाल दिवस मनाएँ

10

चंचल मन-उपवन की बगिया में,
नित बिखरे फूल सजाते हैं।
प्रतिवर्ष प्यार से नवम्बर में,
हम बच्चों का दिन ये मनाते हैं।।

खेल-खिलौने, लड्डू, समोसे में,
खुशियों से वो याद फिर आते हैं।
जो बच्चों की बसे जान में,
ऐसे चाचा नेहरू जी का जन्मदिन हम मनाते हैं।।

प्रथम प्रधानमंत्री भारत की सत्ता के,
उन नेहरू जी का गुणगान हम गाते हैं।
शांति, प्रेम और समृद्धि की शिक्षा में,
उनके वचन ही निभाते हैं।।

आओ इस दिन की खुशियों में,
नेहरू जी की सीख दोहराते हैं।
रहे अमन, चैन और संतोष दिलों में,
गुलाबों की खुशबू से मन-उपवन महकाते हैं।।

रचना
जीवन सिंह बिष्ट (स०अ०)
रा० प्रा० वि० बहादुरगंज
बाज़पुर, ऊधमसिंग नगर

मिशन शिक्षण संवाद

बाल दिवस विशेषांक

रचनाकारों की सूची

01- शिखा वर्मा, सीतापुर
02- पूनम गुप्ता, अलीगढ़
03- ज्योति सागर, बागपत
04- हेमलता गुप्ता, अलीगढ़
05- सुधांशु श्रीवास्तव, फतेहपुर
06- प्रतिमा उमराव, फतेहपुर
07- आकांक्षा मिश्रा, हरदोई
08- देवेश्वरी सेमवाल, रुद्रप्रयाग
09- शहनाज़ बानो, चित्रकूट
10- जीवन सिंह बिष्ट, बाजपुर

तकनीकी सहयोग
जीतेंद्र कुमार, बागपत
मार्गदर्शन:- राज कुमार शर्मा, चित्रकूट

संकलनः- मिशन शिक्षण संवाद